

Roll No.

रोल नं.

--	--	--	--	--

Code No. **145**

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

## HINDUSTANI MUSIC (VOCAL) (THEORY)

### हिन्दुस्तानी संगीत (गायन) (सैद्धान्तिक)

*General Instructions :*

*सामान्य निर्देश :*

*Read the following instructions very carefully and strictly follow them :*

*निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें एवं पूर्णरूप से उनका अनुपालन करें।*

*Time allowed : 2 hours*

*Maximum marks : 30*

*निर्धारित समय : 2 घंटे*

*अधिकतम अंक : 30*

*Note/नोट:*

- (i) Please check that this question paper contains 7 printed pages.  
कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- (ii) Please check that this question paper contains 15 questions.  
कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न हैं।
- (iii) Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.  
प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए-गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- (iv) Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.  
कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (v) 15 minutes time has been allotted to read the question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer in the answer-book during this period.  
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

- (vi) This question paper comprises of **three** sections - Section A, Section B and Section C. All questions are **compulsory**.  
प्रश्न-पत्र को **तीन** खंडों में विभाजित किया गया है - खंड क, खंड ख, एवं खंड ग, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (vii) Section A - Question No. 1 to 8 carries 1 mark each.  
**खंड - क** में प्रश्न संख्या 1 से 8 तक प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
- (viii) Section B - Question No. 9 to 13 carries 2 marks each.  
**खंड - ख** में प्रश्न संख्या 9 से 13 तक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।
- (ix) Section C - Question No. 14 to 15 carries 6 marks each.  
**खंड - ग** में प्रश्न संख्या 14 से 15 तक प्रश्न हैं। एवं प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

SECTION - A / खंड - क

1. Tick the **correct** answer. 1  
Vadi-Samvadi of Raga Bhageshri :  
(A) Ma, Sa (B) Dha, Re (C) Re, Pa (D) Sa, Ma  
सही उत्तर को इंगित कीजिए।  
राग बागेश्री का वादी-संवादी स्वर है :  
(A) म, स (B) ध, रे (C) रे, प (D) स, म
2. Aroh of Malkauns is : 1  
(A) Sa, Re, Ga, Ma, dha, Ni, Ṣa (B) Sa, Ga, Ma, dha, Ni, Ṣa  
(C) Sa, Re, Ga, Ma, dha, Ni, Ṣa (D) Sa, Re, Pa, Ma, Ga, Re, Sa  
निम्नलिखित में से मालकौंस का आरोह है :  
(A) स, रे, ग, म, ध, नि, सं। (B) स, ग, म, ध, नि, सं।  
(C) स, रे, ग, म, ध, नि, सं। (D) स, रे, प, म, ग, रे, स।
3. How many Matras are in Tal Dhamar ? 1  
(A) 12 (B) 10 (C) 14 (D) 16  
धमार ताल में कितनी मात्राएँ होती हैं ?  
(A) 12 (B) 10 (C) 14 (D) 16
4. Choose the **correct** statement : 1  
(i) There are four Vibhagas in Tal Roopak.  
(ii) The Vadi Swara of Rag Malkauns is 'Madhyam' Swar.  
(iii) The author of Sangeet Ratnakar is Pt. Ahobala.  
(iv) Tanpura has four strings.  
Choose the **correct** option.  
(A) (i), (iii) (B) (ii), (iv) (C) (i), (iv) (D) (iii), (iv)  
सही कथन को चुनिए।  
(i) रूपक ताल में चार विभाग हैं।  
(ii) राग मालकौंस का वादी स्वर मध्यम स्वर हैं।  
(iii) संगीत रत्नाकर के रचयिता पं. अहोबल हैं।  
(iv) तानपुरे में चार तार होते हैं।  
सही विकल्प चुनिए।  
(A) (i), (iii) (B) (ii), (iv) (C) (i), (iv) (D) (iii), (iv)

5. Choose the **correct** statement :

1

- (i) Singing time of Sandhi Prakash Ragas is 4 to 7 O'clock in the morning.
- (ii) Drut Khayal is also called Chhota Khayal.
- (iii) The time theory of Ragas is established by Pt. Vishnu Digambar in modern times
- (iv) Re and Ni are komal swaras in Raga Bageshri

Choose the **correct** option :

- (A) (iii), (iv)      (B) (i), (iii)      (C) (i), (ii)      (D) (ii), (iii)

**सही** कथन चुनिए।

- (i) संधि प्रकाश रागों का गायन समय प्रातः 4 बजे से 7 बजे तक होता है।
- (ii) द्रुत ख्याल को छोटा ख्याल भी कहते हैं।
- (iii) रागों के समय सिद्धान्त को आधुनिक समय में पं. विष्णु दिगम्बर जी ने स्थापित किया।
- (iv) राग बागेश्री में रे नि कोमल स्वर है।

**सही** विकल्प चुनिए।

- (A) (iii), (iv)      (B) (i), (iii)      (C) (i), (ii)      (D) (ii), (iii)

6. Match the **List - I** with **List - II** :

1

**List - I**

**List - II**

- |                                 |  |
|---------------------------------|--|
| (a) Taladhyay                   | (i) Sa, <u>Ga</u> , Ma, <u>dha</u> , <u>Ni</u> |
| (b) Rag Malkauns                | (ii) 1894                                      |
| (c) Pt. Krishna Rao Shankar Pt. | (iii) 1650                                     |
| (d) Sangeet Parijat             | (iv) Sangeet Ratnakar                          |

Choose the **correct** option :

- (A) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(ii)  
(B) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)  
(C) (a)-(iii), (b)-(ii), (c)-(i), (d)-(iv)  
(D) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)

**सूची - I** को **सूची - II** से मिलान कीजिए।

**सूची - I**

**सूची - II**

- |                             |   |
|-----------------------------|---|
| (a) तालाध्याय               | (i) स, <u>ग</u> , म, <u>ध</u> , <u>नि</u> |
| (b) राग मालकौंस             | (ii) 1894                                 |
| (c) पं कृष्ण राव शंकर पंडित | (iii) 1650                                |
| (d) संगीत पारिजात           | (iv) संगीत रत्नाकर                        |

**सही** विकल्प चुनिए।

- (A) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(ii)  
(B) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)  
(C) (a)-(iii), (b)-(ii), (c)-(i), (d)-(iv)  
(D) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)

7. **Statement - I** : There are seven Matras in Rupak Tal. 1

**Statement - II** : Sangeet Parijat is written by Pt. Ahobal.

Choose the correct option :

- (A) **Statement I** and **Statement II** both are incorrect.
- (B) **Statement I** and **Statement II** both are correct.
- (C) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect.
- (D) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct.

**कथन - I** : रूपक ताल में सात मात्राएँ होती हैं।

**कथन - II** : संगीत पारिजात के रचयिता पंडित अहोबल हैं।

सही विकल्प चुनिए।

- (A) **कथन I** और **कथन II** दोनों गलत हैं।
- (B) **कथन I** और **कथन II** दोनों सही हैं।
- (C) **कथन I** सही है परंतु **कथन II** गलत है।
- (D) **कथन I** गलत है परंतु **कथन II** सही है।

8. **Statement - I** : Ga, Ma, Dha - Pa, Ma Pa, Ga Ma, Re - Re, Sa phrases of swara 1  
are used in Rag Bhairav.

**Statement - II** : The lower part of Tanpura is called 'Bridge'.

Choose the correct option :

- (A) **Statement I** is correct but **Statement II** is incorrect.
- (B) Both the **Statements I** and **II** are correct.
- (C) **Statement I** is incorrect but **Statement II** is correct.
- (D) Both the **Statements I** and **II** are incorrect.

**कथन - I** : ग, म, ध-प, म, प, ग, म, रे-रे, स स्वर समूह राग भैरव में प्रयुक्त होते हैं।

**कथन - II** : तानपुरे के निचले भाग को ब्रिज कहते हैं।

सही विकल्प चुनिए।

- (A) **कथन I** सही है परंतु **कथन II** गलत है।
- (B) **कथन I** और **कथन II** दोनों सही हैं।
- (C) **कथन I** गलत है परंतु **कथन II** सही है।
- (D) **कथन I** और **कथन II** दोनों गलत हैं।

SECTION - B/खंड - ख

9. Define **any two** of the following :

2

- (i) Kann (ii) Meend (iii) Gamak (iv) Alankar

OR

Describe the salient features of Rag Bhairav.

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** को परिभाषित कीजिए।

- (i) कण (ii) मींड़ (iii) गमक (iv) अलंकार

अथवा

राग भैरव की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

10. Give a brief description of Sangeet Ratnakar.

2

OR

Give a brief description of Tanpura with its tuning procedure.

संगीत रत्नाकर का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

अथवा

तानपुरे का संक्षिप्त विवरण देते हुए इसके मिलाने की विधि का वर्णन कीजिए।

11. Describe briefly **any two** of the following terms :

2

- (i) Murchhana (ii) Alap (iii) Gram

OR

Give a short description of Rag Bageshri and elaborate it upto 50 swaras.

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

- (i) मूर्च्छना (ii) आलाप (iii) ग्राम

अथवा

राग बागेश्री का संक्षिप्त विवरण देते हुए 50 स्वरों में राग का विस्तार कीजिए।

12. Write introduction of the following Ragas with Aroh, Avaroh and Pakad.

2

- (i) Rag Malkauns (ii) Rag Bhairav

OR

Draw a diagram of Tanpura marking its Parts with their names.

निम्नलिखित रागों का परिचय उनके आरोह, अवरोह तथा पकड़ आदि के साथ दीजिए।

- (i) राग मालकौंस (ii) राग भैरव

अथवा

तानपुरे का चित्र उसके अंगों के नाम सहित लिखिए।

13. Give a brief account of "The Time theory of Ragas" in Modern times. 2

OR

Give an introduction of Jhap Tal and write its Thah and Dugun in Tal Notation.  
वर्तमान समय में प्रचलित रागों के समय सिद्धांत का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

अथवा

झपताल का परिचय देते हुए ठाह एवं दुगुन के साथ ताल लिपिबद्ध कीजिए।

SECTION - C/खंड - ग

14. Write the notation of Tarana in any one Raga of your prescribed Syllabus along with the short description of the Raga. 6

OR

Write the life sketch and contribution of a musician to Indian Music from your prescribed syllabus.

अपने पाठ्यक्रम में दिए गए किसी एक राग का संक्षिप्त परिचय देते हुए उस राग में एक तराना स्वरलिपी बद्ध कीजिए।

अथवा

अपने पाठ्यक्रम में दिए गए किसी एक संगीतज्ञ का जीवन परिचय तथा भारतीय संगीत में किए गए योगदान को लिखिए।

15. Tana is a technique used in the vocal performance of the Raga. 'Tana' word is derived from the Sanskrit word 'Tan' meaning extending the Swaras of a Raga. Tanas are of many varieties such as Sapat, Koot, Vakra, Bol Taan etc. Sometimes; according to the nature of raga few varieties of Tanas are applied in that particular raga, therefore, while rendering the varieties of Tana, it is essential to maintain the character of the raga in its delineation too. 6

After reading the above passage, create two tanas in each of the prescribed ragas in different varieties of Tana.

रागों के अंतर्गत गायन प्रदर्शन के दौरान तान एक प्रक्रिया है। 'तान' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'तन्' शब्द से हुई है। जिसका मतलब स्वरों का विस्तार है। तान के कई प्रकार हैं। जैसे सपाट तान, कूट तान, वक्र तान तथा बोल तान आदि। कभी कभी रागों की प्रकृति के अनुसार उस राग में तान के कुछ प्रकारों का प्रयोग किया जाता है। इसके फलस्वरूप तानों के प्रतिपादन में उस राग की विशेषताओं को बनाए रखने में तथा उसका चित्रण करना आवश्यक होता है।

उपर्युक्त गद्य को पढ़कर अपने पाठ्यक्रम में दिए गए रागों में दो-दो तानों को विभिन्न प्रकारों में लिखिए।

- o O o -